BSNLEU

P. Abhimanyu
General Secretary

BSNL EMPLOYEES UNION

Central Head Quarters

Ph.: 011-25705385
Fax : 011-25894862

Main Recognised Representative Union.
Dada Ghosh Bhawan, 2151/1, New Patel Nagar,
Opp. Shadipur Bus Depot, New Delhi-110008
E-mail : bsnleuchq@gmail.com, Website : www.bsnleu.in

बीएसएनएलईयू / 102 (सर्कुलर संख्या 12) **10 अक्टूबर, 2020**

सेवा में,

सर्किल सचिव,
केंद्रीय पदाधिकारी,
और जिला सचिव।

प्रिय साथियों,

बीएसएनएलईयू का अभियान और हड़ताल के लिए आह्वान

जैसा कि पहले ही सूचित किया जा चुका है, 10 और 11 सितंबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित बीएसएनएलईयू की सीईसी की बैठक ने सितंबर और अक्टूबर के महीनों के दौरान कर्मचारियों और आम लोगों के बीच बड़े पैमाने पर अभियान चलाने और इसके बाद नवंबर, 2020 में हड़ताल आयोजित करने का फैसला किया है। बीएसएनएल को 4 जी तकनीक से वंचित करना, बीएसएनएल को कमजोर करने के लिए सरकार द्वारा रची गई साजिश और वेज रिवीजन और पेंशन रिवीजन सहित महत्वपूर्ण मुद्दों का हल न होना अभियान और हड़ताल के लिए मुख्य मुद्दे होंगे। तदनुसार, अभियान 19.09.2020 को शहीद दिवस मनाए जाने के साथ शुरू हो गया है। उपर्युक्त मुद्दों को 23 सितंबर, 2020 को मनाए गए राष्ट्रीय विरोध दिवस और 01 अक्टूबर, 2020 को मनाए गए काला दिवस में पर्याप्त रूप से रेखांकित किया गया है। 09.10.2020 को ऑनलाइन आयोजित अखिल भारतीय केंद्र की बैठक ने अभियान और हड़ताल के लिए निम्नलिखित मांगपत्र को अंतिम रूप दिया गया है :—

1) बीएसएनएल की 4 जी सेवा को तुरंत शुरू करें। उपकरणों की खरीद में निजी कंपनियों के बीच कोई भेदभाव नहीं।
2) तीसरे वेज रिवीजन को हल करें।
3) कामों की अंधाधुंध आउटसोर्सिंग के माध्यम से ठेका श्रमिकों की छंटनी रोकें। छटनी किए गए ठेका श्रमिकों को फिर से काम पर लगाएं। उनके वेतन बकाया का तुरंत भुगतान करें।
4) 01.01.2017 से पेंशन संशोधन हल करें।
5) नॉन—एक्जीक्यूटिवों के लिए एक नई पदोन्नति नीति लागू करें।
6) JTO LICE, JAO LICE, JE LICE and TT LICE को तुरंत आयोजित करें।
7) कोविड—19 के कारण मरने वाले कर्मचारियों को पोस्टल डिपार्टमेंट के बराबर 10 लाख रुपए नकद मुआवजा प्रदान करें। पैनल में रखे गए अस्पतालों में कैशलेस उपचार सुनिश्चित करें।
8) नॉन—एक्जीक्यूटिवों के लिए ग्रुप टर्म इंश्योरेंस (जीटीआई) को लागू करें।
9) प्रत्यक्ष रूप से भर्ती किए गए कर्मचारियों को 30 प्रतिषत सुपरनेशन लाभ लागू करें।
10) कैजुअल मजदूरों के वेतन में संशोधन लागू करें।

अखिल भारतीय केंद्र की बैठक ने अभियान और हड़ताल को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए अंग्रेजी और हिंदी में हैंडबिल और पोस्टर को प्रिंट करने और वितरित करने का निर्णय लिया है। यह बताने की जरूरत नहीं है कि गैर—हिंदी सर्किल यूनियनों को अपनी स्थानीय भाषा में हैंडबिल और पोस्टर छापने चाहिएं।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का 26.11.2020 को आम हड़ताल के लिए आह्वान।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा 02 अक्टूबर, 2020 को ऑनलाइन आयोजित नेशनल कन्वेंशन ऑफ वर्कर्स ने देश के सार्वजनिक क्षेत्र पर किए जा रहे अभूतपूर्व हमलों को गंभीरता से लिया। कन्वेंशन ने मजदूरों के कड़े संघर्षों द्वारा जीते अधिकारों के साथ—साथ ट्रेड यूनियन अधिकारों पर शुरू किए जा रहे हमलों पर भी ध्यान दिया। कोयला क्षेत्र के श्रमिक और बीपीसीएल के श्रमिक निजीकरण को रोकने के लिए पहले ही वीरतापूर्ण संघर्ष पर उतर चुके हैं। डिफेंस ऑर्डनेंस फैक्ट्री के कर्मचारी, जो पहले ही 2019 में 5 दिन की शानदार हड़ताल पर चले गए थे, ने 12 अक्टूबर, 2020 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया। सरकार के साथ हुई बातचीत के आधार पर, इस हड़ताल को अब टाल दिया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र और श्रमिकों के कड़े संघर्षों द्वारा जीते अधिकारों की रक्षा करने की दृष्टि से, नेशनल कन्वेंशन ने भारतीय मजदूर वर्ग से 26 नवंबर, 2020 को निम्नलिखित मांगों पर एक आम हड़ताल आयोजित करने का आह्वान किया हैः —

<u>मांगपत्र</u>

1) सभी गैर—आयकर कर देने वाले परिवारों के लिए 7500 रुपये प्रति माह का नकद हस्तांतरण।
2) सभी जरूरतमंदों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 10 किलो मुफ्त राशन।
3) ग्रामीण क्षेत्रों में एक वर्ष में 200 दिनों का काम प्रदान करने के लिए मनरेगा का विस्तार, बढ़े हुए वेतन पर; शहरी क्षेत्रों में रोजगार गारंटी का विस्तार।
4) सभी किसान विरोधी कानूनों और मजदूर विरोधी श्रम संहिता को वापस लें।
5) वित्तीय क्षेत्र सहित सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण को रोकें और सरकार द्वारा संचालित रेलवे, आयुध कारखानों, बंदरगाहों आदि जैसी विनिर्माण और सेवा संस्थाओं का निगमीकरण को बंद करें।
6) सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों की जबरन समयपूर्व सेवानिवृत्ति पर क्रूर सर्कुलर को वापस लें।
7) सभी को पेंशन प्रदान करें, एनपीएस को स्क्रैप करें और पहले की पेंशन को बहाल करें, ईपीएस —95 में सुधार करें।

बीएसएनएलईयू की केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक 02.11.2020 को ऑनलाइन आयोजित की जानी है।

09.10.2020 को ऑनलाइन आयोजित बीएसएनएलईयू की अखिल भारतीय केंद्र की बैठक ने 02.11.2020 को एक दिवसीय केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया है। नवंबर में होने वाली हड़ताल को देखते हुए सीईसी की बैठक का आयोजन जरूरी हो गया है। यह बैठक भी ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। सभी सर्किल सचिवों और केंद्रीय पदाधिकारियों से अनुरोध है कि वे बिना असफल हुए सीईसी की बैठक में भाग लें।

सीएचक्यू ने डब्ल्यूएफटीयू को दान के रूप में, प्रति सदस्य 20 रुपये एकत्र करने की अपील की।

वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियंस (डब्ल्यूएफटीयू) मजदूर वर्ग का जुझारू अंतरराष्ट्रीय संगठन है। डब्ल्यूएफटीयू मजदूर वर्ग पर होने वाले शोषण के खिलाफ और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संघर्षों की अगुवाई करता है। पूरी दुनिया में जुझारू ट्रेड यूनियनें हैं, जो अपनी अपनी सरकारों की मजदूर विरोधी और अमीर परस्त नीतियों के खिलाफ लड़ रही हैं, वे डब्ल्यूएफटीयू से संबद्ध हैं। बीएसएनएलईयू ट्रेड यूनियन इंटरनेशनल (टीयूआई) ट्रांसपोर्ट एंड कम्युनिकेशंस के माध्यम से डब्ल्यूएफटीयू का एक हिस्सा है। बीएसएनएलईयू नियमित रूप से डब्ल्यूएफटीयू द्वारा आह्वान किए जा रहे कार्यक्रमों को लागू कर रही है।

चूंकि डब्ल्यूएफटीयू वर्तमान में एक तीव्र वित्तीय संकट का सामना कर रहा है, डब्ल्यूएफटीयू के मुख्यालय ने वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए संबद्ध ट्रेड यूनियनों से अपील की है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा शोषण के खिलाफ लड़ने के लिए डब्ल्यूएफटीयू को मजबूत और जीवंत रहना होगा। इसलिए, 09.10.2020 को ऑनलाइन आयोजित बीएसएनएलईयू की अखिल भारतीय केंद्र की बैठक ने सितंबर के वेतन भुगतान में रु.20/– प्रति सदस्य जमा करने और सीएचक्यू को भेजने के लिए सर्किल यूनियनों को काल करने का फैसला किया है। यह बीएसएनएलईयू का एक बहुत महत्वपूर्ण कर्तव्य है और सभी सर्किल और जिला यूनियनों से अनुरोध है कि वे इस दान को इकट्ठा करने में पूरा ध्यान दें और इसे सीएचक्यू को भेजें। डब्ल्यूएफटीयू को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने की दृष्टि से, ऑल इंडिया सेंटर ने डब्ल्यूएफटीयू को रु.30,000/– भेजने का निर्णय लिया है।

अखिल भारतीय केंद्र ने बीएसएनएलईयू के आरटीआई सेल का गठन किया है।

पिछले महीने आयोजित बीएसएनएलईयू की केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक ने निर्णय लिया है कि बीएसएनएलईयू के आरटीआई सेल का गठन अखिल भारतीय स्तर के साथ–साथ सर्किल स्तर पर भी किया जाना चाहिए। बीएसएनएल प्रबंधन और सरकार से कई इनपुट्स प्राप्त करने के लिए ये आरटीआई सेल का काम करेंगे। प्रबंधन और सरकार से प्राप्त इनपुट, बीएसएनएलईयू को प्रभावी ढंग से प्रबंधन और सरकार के साथ मुद्दों को उठाने के लिए लैस करेंगे। सीईसी के इस निर्णय के अनुरूप, 09.10.2020 को ऑनलाइन आयोजित बीएसएनएलईयू की अखिल भारतीय केंद्र की बैठक में सदस्यों के रूप में निम्न साथियों के साथ बीएसएनएलईयू के अखिल भारतीय स्तर के आरटीआई सेल का गठन किया गया हैः –

(1) कॉम सी के गुंदन्ना, पूर्व सर्किल सचिव, कर्नाटक।
(2) कॉम. मिहिर दासगुप्ता, पूर्व एजीएस।
(3) कॉम. एम के. दवे, पूर्व उपाध्यक्ष (सीएचक्यू)।

कॉम सी के गुंदन्ना इस आरटीआई सेल के संयोजक के रूप में कार्य करेंगे। सभी सर्किल यूनियनों से अनुरोध है कि वे तुरंत अपने आरटीआई सेलों का गठन करें।

अखिल भारतीय केंद्र की बैठक, जो सप्ताह में एक बार ऑनलाइन आयोजित की जा रही है, बीएसएनएलईयू, एयूएबी और केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा दी जा रही विभिन्न कॉलों के विभिन्न सर्किलों द्वारा कार्यान्वयन की बारीकी से निगरानी कर रही है। कॉल के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से, 28.09.2020 को आयोजित अखिल भारतीय केंद्र की बैठक ने कॉल के बेहतर कार्यान्वयन के लिए, कुछ सर्किल यूनियनों के साथ समन्वय करने के लिए, अखिल भारतीय केंद्र के सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया है। विवरण निम्नानुसार हैंः–

(1) कॉम. अनिमेष मित्रा, अध्यक्ष – यूपी (पूर्व), झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़।
(2) कॉम. पी अभिमन्यु, जीएस – हिमाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर।
(३) कॉम. स्वपन चक्रवर्ती, डिप्टी जीएस – यूपी (पश्चिम), हरियाणा, बिहार और उत्तराखंड।
(4) कॉम. आर एस चौहान, वीपी (सीएचक्यू) – बीएसएनएल कॉर्पोरेट ऑफिस।
(5) कॉम. गकुल बोराह, कोषाध्यक्ष – असम, एनई–1 और एनई–2।
(6) कॉम. जॉन वर्गीस, एजीएस – गुजरात और राजस्थान।

अखिल भारतीय केंद्र के सदस्य उन्हें आवंटित सर्किलों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखेंगे और कॉल के कार्यान्वयन के साथ–साथ बेहतर कार्य के लिए सर्किल यूनियनों का मार्गदर्शन करेंगे। उपर्युक्त सर्किलों के सर्किल सचिवों से अनुरोध है कि वे इस निर्णय पर ध्यान दें और अपने संबंधित अखिल भारतीय केंद्र के सदस्य के साथ सहयोग करें।

सधन्यवाद,

आपका

(पी अभिमन्यु)
महासचिव